आवासन

पाठ सं	पाठ का नाम	कौशल	गतिविधि
12	आवासन	स्व-जागरुकता तथा तद्नुभूति, अंतर- व्यक्तिगत संप्रेषण तथा कुशल संप्रेषण, समालोचनात्मक चिंतन तथा सृजनात्मक चिंतन, समस्या समाधान तथा निर्णय लेना, तनाव से निपटना	स्थल चयन का महत्व, घर पर उचित प्रकाशन तथा अपशिष्ट का निपटान

सारांश

घर एक परिवार की मौलिक आवश्यकता है। घर ईंट, रेत, सीमेंट, पत्थर आदि से बनी एक भौतिक संरचना है। एक मकान घर तब बनता है जब परिवार के सभी लोग उसमें रहने लगते हैं और सभी खुशियों,प्रेम तथा प्यार, स्वास्थ्य, आराम, सामाजिक तथा मनोरंजक गतिविधियों का आनन्द लेने लगते हैं। घर हमें न केवल आसरा प्रदान करता है बल्कि सुरक्षा तथा अपनत्व भी प्रदान करता है।

वह स्थान जहां हम अपने घर का निर्माण करते हैं उसे स्थल (site) कहते है। एक मकान के निर्माण मे स्थल का चयन अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। एक अच्छे स्थान में विकसित पड़ोस, सुदृढ़, व्यावहारिक सुविधाएं (उदाहरण के लिए स्कूल, अस्पताल आदि), अच्छी अपशिष्ट निपटान प्रणाली तथा अच्छे भौतिक गुण होने चाहिए।

संवातन से तात्पर्य स्वच्छ वायु का परिसंचरण तथा दुर्गंध को बाहर निकालने की व्यवस्था है ताकि घर के भीतर तरोताजगी बनी रहे।

स्वच्छताः घर में उचित प्रकाश व्यवस्था, सही संवातन, सेनिटेशन तथा वाटर क्लोजेट व सेप्टिक टैंकों द्वारा मानव मल के निपटान की उचित व्यवस्था द्वारा स्वच्छता बनाई रखी जा सकती है। सेप्टिक टैंक के लाभ हैंः स्वच्छता, निर्माण और अनुरक्षण की निम्न लागत, जल प्रदूषण नहीं होता, दुर्गंध नहीं आती, पानी की बचत, गर्त को साफ करने की आवश्यकता नहीं होती, खाद प्राप्त होती है, गैसें मिट्टी में विलय हो जाती हैं, मच्छर नहीं होते, मक्खियां या कीटाणु नहीं पनपते।

व्यक्ति को अपशिष्ट पदार्थों के उचित निपटान की व्यवस्था का ज्ञान प्राप्त करना चाहिए ताकि मिट्टी और जल को प्रदूषित होने से बचाया जा सके।

प्रमुख बिन्दु

घर के गुण

- **संरक्षकः**यह सुरक्षा व आसरा उपलब्ध कराता है। मौसम, जानवरों व शत्रुओं से सुरक्षा प्रदान करता है।
- **किफायतीः** यह आर्थिक दृष्टि से धन का पूरा मूल्य प्रदान करता है; सामाजिक-आर्थिक स्तर में वृद्धि करता है; आय का भी सृजन कर सकता है।
- **शिक्षाप्रदः** व्यक्तित्व, पारिवारिक मूल्यों, जीवन कौशलों तथा उत्तरदायित्वों के विकास में सहायक होता है।
- **सामाजिक/धार्मिकः** आपसी संव्यवहार को प्रोत्साहित करता है, अपनत्व की भावना को विकसित करता है, मूल्यों और परम्पराओं को आगे बढ़ाने में सहायक होता है।

अपने ज्ञान का निर्माण करें

क्षेत्रों का इष्टतम प्रयोग

घर के सभी क्षेत्रों के सर्वोत्तम उपयोग को संभव बनाने के लिए निम्नलिखित बिंदुओं पर विचार कीजिएः

- प्रत्येक कमरे में की जाने वाली सभी गतिविधियों को संयोजित करें व उनकी सूची बनाएं।
- प्रत्येक गतिविधि के लिए स्थान का निर्धारण करें।
- कमरे को अधिक वस्तुओं से न भरें।
- बहु-उद्देशीय फर्नीचर का इस्तेमाल करें जिनका प्रयोग सामान रखने तथा कमरे का विभाजन करने के लिए किया जा सकता है।
- सीढ़ियों के नीचे के स्थान का प्रयोग करें।

क्या जानना महत्वपूर्ण है?

घर के लिए स्थल का चयन

आप निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए अपने घर के लिए सही स्थल का चयन कर सकते हैं:

- **पड़ोस:** यह सुनिश्चित कर लें कि आपका घर ऐसे क्षेत्र में हो जो सही पहलुओं से विकसित हो जैसे बिजली, सड़क, निकासी आदि। सामान्य सुविधाएं जैसे डाकघर, अस्पताल, स्कूल आदि समीप ही उपलब्ध हों।
- **भौतिक विशेषताएं:** अपने घर का चयन खुले क्षेत्र में करें। यह भारी यातायात वाले क्षेत्र के समीप नहीं होना चाहिए। निचले क्षेत्र वाले स्थानों से बचना चाहिए क्योंकि वहां बाढ. तथा जलभराव का खतरा बना रहता है।
- **मृदा:** भूमि सतह से 2-5 मीटर/फुट के स्तर तक ठोस होनी चाहिए ताकि मजबूत नींव तैयार की जा सके। याद रखें कि:
  - o **ढीली मिट्टी** से मकान एक ओर झुक सकता है क्योंकि ऐसी मिट्टी अपने स्थान से खिसक सकती है।
  - o **रेतीली मिट्टी:** घर को अधिक गर्म रखती है।
  - o **पथरीली सतह** नीव के लिए तो अच्छी होती है किन्तु जल अवशोषित नहीं करती है।
- **स्वच्छता संबंधी आवश्यकताएं:** स्थल ताजा व स्थूल मिट्टी से भरा होना चाहिए। वह बाहरी सड़क के स्तर तक उठा होना चाहिए।
- **व्यवहारिक सुविधाएं:** बाजार, परिवहन सुविधाएं, डाकघर, स्कूल, अस्पताल, बैंक आदि सामान्य पैदल दूरी के भीतर होने चाहिए।

अपने ज्ञान का विस्तार करें

आपके घर के समीप के गांव में उचित सेनिटेशन व्यवस्थाएं नहीं हैं। वहां सेनिटेशन की स्थितियों में सुधार करने के लिए गांव के लोगों की मदद किस प्रकार करेंगे।

क्या आप जानते हैं?

प्रकाश: उचित प्रकाशन महत्वपूर्ण है। यह घर की सुंदरता को बढ़ाता है। दो प्रकार की प्रकाश व्यवस्था इस प्रकार हैं:

- **प्राकृतिक प्रकाशन:** जो हमें प्राकृतिक स्रोतों से प्राप्त होता है अर्थात सूर्यप्रकाश।
- **कृत्रिम प्रकाशन:** जो हमें कृत्रिम स्रोतों से प्राप्त होता है जैंसे ट्यूब लाइट और बल्ब आदि।

संवातन: स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छ वायु अत्यंत आवश्यक है । ऐसा प्राकृतिक या कृत्रिम स्रोतों से किया जा सकता है। घर की खिड़कियों को खुला रखना चाहिए ताकि स्वच्छ वायु भीतर आ सके, यहां तक कि गर्मियों में भी। क्रास वेंटिलेशन अर्थात सुसंवातन आवश्यक है।

स्वच्छता:

- साफ-सफाई बनाए रखना - दैनिक साफ-सफाई, साप्ताहिक साफ-सफाई, वसंत या मौसमी साफ-सफाई।
- कूड़े-कचरे को हटाना।
- वाटर क्लोजेट तथा सेप्टिक टैंक की सहायता से अपशिष्ट पानी तथा मानव मल का निपटान करना।

स्व-मूल्यांकन करें

1. एक घर में एक बड़ा हॉल है जिसका प्रयोग दो भाइयों को करना है। उन दोनों के लिए स्थान उपलब्ध कराने तथा उनकी निजता बनाए रखने के लिए आप क्या करेंगे?
2. आप एक गांव में रहते हैं। आपके लिए किस प्रकार की लैटरीन (शौचालय) उचित है और क्यों? अपने उत्तर के पक्ष में चार कारण प्रस्तुत करें?
3. आपने एक नौकर को काम पर रखा है। उसके द्वारा दैनिक, साप्ताहिक तथा मौसमी आधार पर की जाने वाली साफ-सफाई की ड्यूटियों को निर्धारित करें?

अपने अंकों को अधिकतम बनाएं

पाठ में दी हुई तालिकाओं को याद करें।
मुख्य पहलुओं को समझने के लिए पाठ में दिए हुए सभी चित्रों का अध्ययन करें।